ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 15 अंक 15 कुल पृष्ठ-4 **28 मई से 3 जून, 2020** दयानन्दाब्द 197 सृष्टि सम्वत् 1960853121 सम्वत् 2077 चै. शु.-03

धर्मपरायण आर्य जनता से मार्मिक अपील

समस्त आर्य प्रतिनिधि सभाओं व आर्य समाजों के पदाधिकारियों के नाम खुला पत्र

मान्यवर,

सादर नमस्ते!

आशा है ईश कृपा से आप स्वस्थ एवं सानन्द होंगे। वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण से पूरे देश में लागू हुए सम्पूर्ण लॉकडाउन के कारण आर्थिक रूप से प्रभावित आर्य समाज के समस्त विद्वानों, उपदेशकों, पुरोहितों, भजनोपदेशकों/भजनोपदेशिकाओं, संन्यासियों, गुरुकुलों एवं गौशालाओं की व्यवस्था चरमरा गई है और ये सभी आर्थिक संकट से परेशान हैं। इस सामयिक एवं महत्त्वपूर्ण समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हम सभी को गम्भीरता से लेना चाहिए। आर्य महानुभाव! आप सब भलीभांति जानते हैं कि गत तीन महीने से आर्य समाज की समस्त गतिविधियाँ पूर्णतया बन्द हैं तथा वर्तमान परिस्थिति को देखते हुए अनुमानतः अगले कुछ महीनों तक कार्यक्रम प्रारम्भ न हो पायें। ऐसी स्थिति में जो उपदेशक वर्ग व गुरुकुल आदि संस्थाएँ आर्य समाजों द्वारा दिये जाने वाले दान व दक्षिणा पर निर्भर हैं, आखिर उनका संरक्षण कौन करेगा, यह अत्यन्त विचारणीय विषय है। चूंकि सरकारें हमारे इन आदरणीयों को कोई सहायता देने वाली नहीं हैं। अतः यह आवश्यक है कि प्रत्येक सक्षम आर्य प्रतिनिधि सभा, आर्य समाज व आर्य दानवीर अपने आदरणीय विद्वानों, पुरोहितों, उपदेशकों, भजनोपदेशकों/भजनोपदेशिकाओं, संन्यासियों, समर्पित समयदानी कार्यकर्ताओं, गुरुकुलों व गौशालाओं के लिए आगे आयें तथा दिल खोलकर उनका आर्थिक सहयोग करें। दान की महिमा आप सभी भलीभांति जानते हैं। अतः ऐसे संकट काल में आर्य समाज की रीढ़ समान समस्त धर्म प्रचारक वर्ग के लिए आर्थिक सहयोग करना हम सभी का कर्त्तव्य एवं दायित्व बनता है।

सहयोग देने का तरीका क्या हो, इस सम्बन्ध में निवेदन है कि आप पहले सहयोग का मन बना लें तथा अपने निर्णय की सूचना सार्वदेशिक सभा के कार्यालय के दूरभाष नम्बर–011–23274771, 9868211979, 9015347660 पर देवें। तथा यह भी सूचित कर दें कि आपने कितना सहयोग करने का निर्णय किया है। आप कितने उपदेशकों को अपना सहयोग देना चाहेंगे, उन सबका बैंक खाता नम्बर व मोबाईल नम्बर आपके पास भेज दिया जायेगा। आप सीधे ही उनके खाते में धनराशि स्थानान्तरित कर सकते हैं, ताकि आपका सहयोग उन्हें तुरन्त प्राप्त हो सके। यदि आप अपने प्रान्त के किसी उपदेशक या प्रचारक को सीधे सहयोग देना चाहते हैं तो यह और भी अधिक उचित रहेगा। किन्तु संकट की इस घड़ी में आप सहयोग करने का निश्चय अवश्य कीजिए। यदि अपने आदरणीय धर्म प्रचारकों को हम लोग ही नहीं संभालेंगे तो और कौन संभालने के लिए आयेगा। वैदिक धर्म की दुंदुभी बजाने वाले हमारे ये आदरणीय यदि आर्थिक संकट के कारण हतोत्साहित हो गये तो यह एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति होगी और आर्य समाज का प्रचार तन्त्र लड़खड़ा जायेगा। मैं सभी पदाधिकारियों एवं दानवीरों से सानुरोध विनम्र प्रार्थना करता हूँ कि इस विषय पर गम्भीरता एवं सहानुभूतिपूर्ण विचार करके शीघ्रातिशीघ्र कदम उठायें तथा अपने आदरणीय धर्म प्रचारकों को सम्मानित कर प्रोत्साहित करें। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा ने भी अपनी ओर से कुछ उपदेशकों को आर्थिक सहयोग देने का निश्चय किया है। शीघ्र सूची बनाकर व आवश्यक विवरण प्राप्त कर सहयोग दिया जायेगा।

भवदीय

(स्वामी आर्यवेश)
सभा प्रधान
मो.:–9013783101

(पं. माया प्रकाश त्यागी)
सभा कोषाध्यक्ष
मो.:–9873540508

(प्रो. विट्ठलराव आर्य)
सभा मंत्री
मो.:–9849560691

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य